পাঠ 12
পাঠ

বন্ধুর বিয়ে

শেখর : আজ খুব ঘুম পাচ্ছে। কিন্তু বছরের শেষ। তাম্প ছুঁিও নিতে পারছি না।

স্বপন : ও বুঝেছি। কমলের বিয়েতে গিয়েছিলেন। তাম্প আপনার এম্প অবস্থা হয়েছে। ওখানে আপনি ঘুমোতে পারেন নি বুঝি?

শেখর : আর কি? আজ অফিসে এসেছি এম্প যথেষ্ট। কিন্তু, বিয়েতে খুব মজা হল। আপনি তো গেলেন না?

স্বপন : কি করি, কাল স্ত্রীর মামাতো বোনের বৌভাত ছিল। আমরা সবাম্প সেখানে গিয়েছিলাম। তাম্প কমলের বিয়েতে যেতে পারলাম না। খুব খারাপ লাগছে। এবার বলুন, আপনারা কেমন আনন্দ করলেন?

मित्र का विवाह

शेखर : आज बहुत नींद आ रही है। किंतु वर्ष का अंत है। इसलिए छुट्टी भी नहीं ले पा रहा हूँ।

स्वपन : ओह! समझ गया। कमल की शादी में गए। इसलिए आप की यह दशा हुई है। वहाँ आप सोए नहीं?

शेखर : और क्या? आज ऑफिस में आ गया हूँ, यही काफी है। लेकिन वहाँ खूब मज़ा आया। आप तो नहीं गए न।

स्वपन : क्या करूँ, कल पत्नी की ममेरी बहन का 'बहुभात' था। हम सब वहाँ गए थे। इसलिए कमल के विवाह में नहीं गया। बहुत बुरा लग रहा है। अब बताइए, आपलोगोंने कैसे आनंद मनाया?

শেখর : আমরা খুব আনন্দ করলাম। আমরা বরযাত্রীরা বাসের মধ্যে খুব ঠাট্টা তামাসা করছিলাম। বাস রাত্রি দশ৾ায় ওখানে পৌছল। তারপর আমরা জলখাবার খেলাম। বিয়ের অনুষ্ঠান শুরু হল রাত এগারৌ৾ায়। সাত পাকে বাঁধা থেকে শুরু করে শুভ দৃষ্টি, মালা বদল সবম্প আমরা বারান্দায় বসে দেখলাম। রাত্রে খেলাম প্রায় দেড়৾ার সময়। বাড়ী ফিরলাম প্রায় ভোর চারঁ৾য়।

স্বপন : তাহলে শেষ পর্যন্ত কমল বিয়ে করল!

শেখর : হ্যাঁ, এতদিন মনের মতো পাত্রী পাচ্ছিল না। ভীষণ খুঁতখুঁতে স্বভাব কমলের। আরে, এখানেও সে বিয়ে করতে চাম্পছিল না। অনেক পীড়াপীড়ির পরে রাজী হল। তবে ও বেশ ভালম্প বৌ পেয়েছে। তা আপনি বৌভাতে যাচ্ছেন তো?

স্বপন : নিশ্চয়, বৌভাতে সবাম্প মিলেম্প যাব। রবিবার ছুঁ৾ও আছে।

शब्दार्थ

शेखर : हमलोगों ने खूब आनंद मनाया। बरातियों ने बस में खूब मज़ाकें की। बस रात दस बजे वहाँ पहुँची। उसके बाद हमने जलपान किया। रात को ग्यारह बजे विवाह का अनुष्ठान प्रारंभ हुआ। सप्तपदी से प्रारंभ करके शुभ दृष्टि, वरमाला सभी कुछ हमने बरामदे में बैठकर देखा। रात को लगभग डेढ़ बजे भोजन किया। सवेरे चार बजे घर लौटे।

स्वपन : तो कमल ने विवाह कर ही लिया!

शेखर : हाँ, आजतक मनपसंद लड़की नहीं मिल रही थी। कमल का स्वभाव बहुत नकचढ़ा है। वह तो यहाँ भी विवाह नहीं करना चाहता था। बहुत दबाव के बाद वह राज़ी हुआ है। लेकिन उसको पत्नी काफी अच्छी मिली है। आप 'बहुभोज' में तो जा रहे हैं न?

स्वपन : अवश्य, बहुभोज में सबको साथ लेकर जाएँगे। रविवार को छुट्टी भी है।

শব্দ	अर्थ
বিয়ে	विवाह
বছরের	साल का, वर्ष का
মামাতো	ममेरी, ममेरा
বোনের	बहन का
বরযাত্রীরা	वरातियों
ঠাট্টা	मज़ाक
তামাসা	तमाशा
জলখাবার	जलपान
অনুষ্ঠান	अनुष्ठान
বারান্দায়	बरामदे में

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. आमि <u>पड़लाम</u> । (लिखलाम, देखलाम)
2. आपनि <u>देखलेन</u>। (बललेन, शुनलेन)
3. आमरा बेनारसे <u>छिलाम</u>। (गेलाम, बेड़ालाम)
4. आपनारा दिल्लीते <u>थाकतेन</u> । (बेड़ातेन, घुरतेन)
5. से <u>लिखछिलो</u>। (पड़छिल, शिखछिल)

II. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. আপনি পড়ছিলেন।
2. আমি বাজারে গিয়েছিলাম।
3. রমেশ কাল এসেছিল।
4. সে বাংলা লিখছিল।
5. আমি হোটেলে ছিলাম।

III. কোষ্ঠক में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(গেল, থাকতেন, গিয়েছিলেন, পড়েছি, ফিরলে)

1. আমি বম্পা _____।
2. সে গত রবিবারে দিল্লী _____ ।
3. আপনি আগে কোথায় _____ ।
4. রামবাবু হেঁটে হেঁটে _____ ।
5. তুমি গতকাল কোথা থেকে _____ ।

IV. নীচে दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों के सही रूप से नये वाक्य बनाइए।

1. আপনি কোথায় যাচ্ছিলেন? (থাক্)
2. আমরা আগে ভুবনেশ্বরে থাকতাম। (ছিল)
3. সে বেড়াতে যাচ্ছিল। (আস্)
4. আমি রোজ খবরের কাগজ পড়ি। (দেখ্)
5. তুমি কি আনন্দবাজার পত্রিকা পড়ছিলে? (কিন্)

V. উপযুক্ত শব্দों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ওরা সকলে কাল বাজারে _____ ।
2. আব্দুল আগে রাজস্থানে _____।

3. আমি আগে রোজ খবরের কাগজ _____ ।

4. রীনা সেদিন সিনেমা _____ ।

5. পরেশ দাঁড়িয়ে দাঁড়িয়ে _____ ।

VI. 'কি' (क्या), 'কে' (कौन), 'কোথায়' (कहाँ), 'কখন' (कब), 'কেন' (क्यों), 'কিভাবে' (कैसे) शब्दों का प्रयोग कर प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

1. কাল সকাল পাঁচটা থেকে ব্যাঙ্গালোর শহরে বৃষ্টি আরম্ভ হয়েছে।

2. সিদ্ধার্থ তালুকদার কলকাতাতেম্প প্রথম শত রান করেছে।

3. সুদীপ্তা প্রতিদিন দশটার সময় স্কুটারে করে কলেজে পড়াতে যায়।

4. রোজ সন্ধ্যে সাতটায় মহীশূর স্টেশন থেকে কাবেরী এক্সপ্রেস চেন্নাম্প-এর উদ্দেশ্যে রওয়ানা হয়।

VII. शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

1. পর্যন্ত, তাহলে, করল, শেষ, বিয়ে, কমল।

2. মিলেম্প, বৌভাতে, ছুটি, যাব, আছে, রবিবার, সবাম্প।

3. শুরু, বিয়ের, এগারোটায়, অনুষ্ঠান, হল, রাত।

4. ঠাট্টা, করছিলাম, খুব, আমরা, তামাসা, মধ্যে, বাসের, বরযাত্রীরা।

5. ছিল, মামাতো, স্ত্রীর, বৌভাত, বোনের, কাল।

VIII. नीचे दिए गए प्रश्नों के स्वीकारात्मक एवं निषेधात्मक उत्तर दीजिए।

1. আপনি কি কমলের বিয়েতে গিয়েছিলেন?

2. আপনি কি বাংলা বলতে পারেন?
3. আপনি কি কখনও উড়িষ্যা বেড়াতে গেছেন?
4. এস্প বস্পৗা কি আপনার?
5. ঐা কি লাল কালির কলম?

पढ़िए और समझिए।

গ্রামের পরিবেশ   गाँव का वातावरण

কিছুদিন আগেও আমাদের দেশে গ্রামের মানুষের জীবনযাত্রা অনেক সহজ ছিল। গ্রামে স্পলেকট্রিক, ৈলিভিশন স্পত্যাদির উপদ্রব ছিল না। অবশ্য স্পলেক্ট্রিক গ্রামের জীবনে অনেক সুবিধে এনে দিয়েছে। যেমন ক্ষেতে পাম্পের সাহায্যে জল সেচের সুবিধে হয়েছে। তাস্প স্পলেক্ট্রিককে উপদ্রব বলা ঠিক নয়। কিন্তু স্পলেক্ট্রিকের ফলে কয়েকৰ্টি অবাঞ্ছিত জিনিসের আমদানি হয়েছে। যেমন মাস্পক্রোফোন, ৈলিভিশন স্পত্যাদি। গ্রামে আগে শান্তি বিরাজ করতো এখন সেখানে মাস্পকের কোলাহলে দূষিত। একে শব্দ দূষণও বলা যায়। এস্প শব্দ দূষণের ফলে নানা রকম স্নায়বিক রোগেরও সৃষ্টি হচ্ছে। আগে এস্প ধরণের রোগ শহরেস্প বেশী দেখা যেত কিন্তু এখন গ্রামেও এস্প রোগের প্রকোপ বেড়েছে। গ্রামে একধরণের মানুষের হাতে কিছু বাড়তি পয়সা এসেছে কিন্তু শিক্ষার বিস্তার হয়নি ফলে অপসংস্কৃতির সৃষ্টি হয়েছে। এর সঙ্গে দুষ্ট ব্রণের মতো আরম্ভ হয়েছে রাজনৈতিক দলাদলি। গ্রামের জীবনে বর্তমানে তাস্প একৗা বড় ধরণের পরিবর্তন এসেছে। প্রকৃত শিক্ষার বিস্তার দরকার। তবেস্প এস্প অপসংস্কৃতির হাত থেকে গ্রামের মানুষের মুক্তি হতে পারে।

शब्दार्थ

শব্দ	अर्थ
পরিবেশ	वातावरण
সহজ	सरल

উপদ্রব	उपद्रव
অবাঞ্ছিত	अवांछित
দুষিত	दूषित
শব্দ	आवाज़, ध्वनि
স্নায়বিক	स्नायविक, स्नायु संबंधित
প্রকোপ	प्रकोप
বাড়তি	बढ़ती
বিস্তার	विस्तार
অপসংস্কৃতি	कुसंस्कृति
প্রকৃত	असली, वास्तविक
মুক্তি	मुक्ति

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ইলেকট্রিক গ্রামের জীবনে কি রকম সুবিধে এনে দিয়েছে?
2. ইলেকট্রিক আসার ফলে কি কি অবাঞ্ছিত জিনিসের আমদানি হয়েছে?
3. শব্দ দূষণের ফলে কি ধরণের রোগ হতে পারে?
4. গ্রামে অপসংস্কৃতির মূল কারণ কি?
5. অপসংস্কৃতির হাত থেকে গ্রামকে মুক্ত করতে হলে কি প্রয়োজন?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों के साथ दाहिनी ओर दिए गए शब्दों के सही अर्थ से मिलान कीजिए।

সহজ	অপ্রয়োজনীয়
কোলাহল	আজকাল

অবাঞ্ছিত	সরল
বিস্তার	গোলমাল
বর্তমান	বৃদ্ধি

III. নীচে দিए गए वाक्यों में से विपरीतार्थी शब्द चुनकर उनकी जोड़ियाँ बनाइए।

1. রজতবাবু কয়েকদিন আগে বিদেশ থেকে ফিরেছেন।
2. আমি এম্প বম্পা পড়ে শেষ করেছি।
3. এখনও গ্রামের মানুষ শান্তিতে আছে।
4. ভারত আমার দেশ।
5. শিক্ষার অভাবে অপসংস্কৃতির সৃষ্টি হয়েছে।
6. আমার কলেজ আজ থেকে শুরু হয়েছে।
7. ছেলের অসুস্থতার জন্য রামবাবু অশান্তিতে আছেন।
8. নিরোগ জীবন সবারম্প কাম্য।
9. ভারতীয় সংস্কৃতি জীবনমূল্যের শিক্ষা দেয়।
10. এখন শহরে পরিবেশ দূষণের জন্য বিভিন্ন রোগের প্রকোপ বেড়েছে।

IV. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

আমাদের পরিবেশ আগে এত দূষিত ছিল না। আগে পরিবেশ খুবম্প শান্ত ছিল ও অবাঞ্ছিত দ্রব্যের কোনো উপদ্রব ছিল না। তখন যে কোন অনুষ্ঠানম্প খুব ধুমধাম করেম্প অনুষ্ঠিত হত। তবে সেখানে কোনরকম স্বেচ্ছাচারিতা বা অপসংস্কৃতি ছিল না, যান্ত্রিক শব্দ প্রভৃতির উপদ্রবও ছিল না। বর্তমানে মিডিয়া ও আধুনিকতার জন্য পরিবেশ পরিবর্তিত হচ্ছে। ফলে অনুষ্ঠানের রঙও বদলে গেছে। এখন অনুষ্ঠান বলতে আমরা বুঝছি যান্ত্রিক শব্দ, উদ্ধতা ও পোষাকের উৎশৃঙ্খলতাও বটে। কিন্তু আখেরে তার কোনো প্রয়োজন নেম্প। অনুষ্ঠান হল মনের উন্মুক্ততা, মানুষে মানুষের মিলন ও আনন্দ।

V. बंगला में अनुवाद कीजिए।

एक समय था जब हमारा जीवन सरल और स्वाभाविक था। हम सब प्रकृति पर निर्भर थे। सबलोग खूब श्रम करते थे। शुद्ध वातावरण में रहते थे। खान पान संयमित और शुद्ध था। हम प्रकृति की सुरक्षा करते थे। प्रकृति भी हमारी सुरक्षा करती थी।

धीरे धीरे विज्ञान ने उन्नती की। हमारे लिए सुविधाएँ बढ़ी। हम सुविधा भोगी हुए। प्रकृति से हमारी दूरी बढ़ी। आज वातावरण शुद्ध नहीं है। बीमारियाँ बढ़ी हैं। हम कम श्रम करते हैं। अधिक सुविधा चाहते हैं। हमारी आवश्यकताएँ बढ़ी हैं। उन्हें पूरा करने की ललक भी बढ़ी है। लेकिन आमदनी उतनी नहीं बढ़ी। हमारी आवश्यकताओं की सीमा नहीं हैं। इसीलिए हम अशांत हैं। हमारा जीवन पहले जैसा सरल और स्वाभाविक नहीं रहा।

VI. 'सादा जीवन उच्च विचार' के बारे में एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।